कक्षा-1 के लिए अपठित गद्यांश

मेरा घर

मेरे घर में एक छोटा सा आँगन था, जहाँ सुबह-सवेरे मैं दादी के साथ बैठकर चाय पीता। आँगन में एक नन्हा सा बगीचा था, जिसमें हर रंग के फूल खिलते थे। दादी उन्हें रोज़ पानी देतीं, और मैं उनके नाम चिल्ला चुका था - गुलाब, चमेली, और जूही।

फिर मैं स्कूल जाने के लिए तैयार होता। स्कूल के बाद, दिनभर की मस्ती के बाद मैं वापस उस प्यारे घर में लौटता। घर के पीछे एक छोटी सी नदी बहती थी। गर्मियों की शामों में, मैं दोस्तों के साथ वहाँ खेलने जाता। पानी में पाँव डालकर ठंडक का अनुभव करना, और फिर साथ में चुटकुले सुनाना, ये सब बातें मेरे बचपन को खुशियों से भर देती थीं।

नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए

प्र०1. सुबह मैं आँगन में बैठकर क्या करता था?

उत्तर _____

_____

प्र०2. मैं फूलों का क्या कह कर चिल्लाता था?

उत्तर _____

_____

प्र०3. मेरे घर के पीछे क्या था?

उत्तर _____

_____

प्र०4. वाक्य बनाओ -

फूल -_____

दादी -_____